

# भूगोल

## GEOGRAPHY

### UP TGT & PGT

संपादित एवं संकलित द्वारा

**Ritu Dhillon**

Lecturer in Geography at  
DIET (District Institute of Education and Training) Gurugram  
Education Department, Govt of Haryana  
MA, M.Ed & M.Phil  
NET, JRF qualified



खेल और शारीरिक शिक्षा की पुस्तकों के भारत  
के प्रथम प्रकाशक और एशिया के सबसे बड़े स्टॉकिस्ट  
7/26, ग्राउण्ड फ्लोर, अंसारी रोड दरिया गंज, नई दिल्ली-110002  
दूरभाष : +91-9999146721, 9868028838, : 011-23240261

ईमेल: [info@sportspublication.net](mailto:info@sportspublication.net)

वेबसाइट: [www.sportspublication.net](http://www.sportspublication.net)



*Published by:*

खेल और शारीरिक शिक्षा की पुस्तकों के भारत  
के प्रथम प्रकाशक और एशिया के सबसे बड़े स्टॉकिस्ट  
7/26, ग्राउण्ड फ्लोर, अंसारी रोड दरिया गंज, नई दिल्ली-110002  
दूरभाष : +91-9999146721, 9868028838  
ईमेल: info@sportspublication.net  
वेबसाइट: www.sportspublication.net

© 2022 प्रकाशक

I.S.B.N: 978-93-93781-17-8

भारत में प्रकाशित 2022

इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनप्राप्ति के प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके: इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वैब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना वितरित नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक तथा लेखक ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए प्रकाशक, सम्पादक, लेखक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं है। सभी विवादों और दावों का निपटारा केवल 1940 के भारतीय मध्यस्थता अधिनियम के अन्तर्गत दिल्ली न्यायालय में किया जाएगा।

**मुद्रक:**

ओम साई प्रिंटर्स एण्ड बाइंडर्स  
दिल्ली

मूल्य: ₹ 180/-

**पाठ्यक्रम**  
**प्रशिक्षित स्नातक**  
**विषय : भूगोल-2022**

**भूगोल की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र**—भूगोल विषय सम्बन्धी विभिन्न विद्वानों की अवधारणा—हुम्बोल्ट, रिटर, रैटजेल, हैटनर, डेविस, वाइडल—डी-ला-ब्लाश, कार्ल सावर, पीटर हैगेट, वियन वुंगी, हार्वे एवं स्मिथ। प्रमुख संकल्पनाएँ—नियतिवाद, सम्भववाद, नव-नियतिवाद एवं पर्यावरण कारकवाद (पारिस्थितिकी तंत्र)।

**भौतिक भूगोल:** स्थल मण्डल-पृथ्वी की आन्तरिक संरचना, भूमण्डल का निर्माण, खनिज एवं चट्टानें, भूसंचलन, ज्वालामुखी एवं भूकम्प-अद्यतन सिद्धान्त, बलन एवं भ्रंशन उनसे उत्पन्न स्थलाकृतियाँ, अपरदन चक्र (एवं उनकी भू आकृति छापे, भूमिगत जल, वायु समुद्र एवं हिमनद के कार्य एवं सम्बन्धित स्थलाकृतियाँ)।

**वायुमण्डल: संरचना**—सूर्यताप एवं ताप-बजट, तापमान का क्षैतिज एवं लम्बवत वितरण, तापमान विलोम की दशाएँ, वायुदाब पेटियाँ एवं पवन, वायुदाब पेटियों का खिसकाव एवं उनका प्रभाव, आर्द्रता एवं वर्षण के प्रकार, बादलों के प्रकार एवं स्वरूप, शीतोष्ण एवं उष्ण कटिबंधीय चक्रावात-उत्पत्ति, गतिविधि एवं मौसम पर प्रभाव कोपेन और थार्नथ्वेट द्वारा विश्व जलवायु का वर्गीकरण।

**जलमण्डल**—महासागरीय जल का तापमान एवं लवणता, महासागरीय धाराएँ, ज्वारभाटा, महासागरीय निक्षेप, प्रवाल द्वीप एवं प्रवाल भित्तियाँ, उत्पत्ति वितरण पर्यावरणीय महत्व।

**जैव मण्डल**—वनस्पति के प्रकार एवं विश्व वितरण, सदाबहार वनों का पर्यावरणीय महत्व, वनस्पति एवं पारिस्थितिकी तंत्र, जैविक विविधता एवं उसका पारिस्थितिकीय महत्व, निर्वनीकरण की समस्या, वन संरक्षण।

**मानव भूगोल**—मानव-पर्यावरण सम्बन्ध, पुरापाषाण, नव पाषाण युग, मानव पर्यावरण अन्तर्सम्बन्ध, पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव-कृषि क्रांति, औद्योगिक

(iv)

क्रांति एवं सूचना क्रांति। जनसंख्या वृद्धि के पर्यावरणीय प्रभाव जनांकिकीय माडल (विकसित एवं विकासशील देशों में जनसंख्या समस्या के प्रारूप)।

**आर्थिक भूगोल**—संसाधन एवं उनका वर्गीकरण, संसाधनों का विभिन्न दृष्टियों से वर्गीकरण, संसाधन संरक्षण के सिद्धान्त, जल, मिट्टी, खनिज ऊर्जा, उपयोग जन्य समस्याएं एवं संरक्षण। मानव संसाधन संरक्षण। कृषिगत भूमि का उपयोग—खाद्यान्न उत्पादन एवं उसका क्षेत्रीय स्वरूप—गेहूँ, चावल, कपास, गन्ना, चाय, कर्पास, विश्व के औद्योगिक प्रतिरूप, उद्योगों के स्थानीयकरण के कारण, औद्योगिक अवस्थिति के प्रमुख सिद्धान्त—न्यूनतम लगात सिद्धान्त, बाजार, प्रतिस्पर्धा सिद्धान्त, विश्व के औद्योगिक प्रदेश, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार—प्रमुख व्यापार प्रखण्ड, प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय परिवहन मार्ग, वायु पत्तन एवं बन्दरगाह।

**प्रादेशिक भूगोल**—विकसित, विकाशील एवं संक्रमण देशों की अवधारणा एवं प्रत्येक की विशेषताओं का विवेचन: निम्न प्रदेशों के प्राकृतिक स्वरूप, जनसंख्या संसाधन आधार एवं उनके विकास का अध्ययन, (क) आंग्ल अमेरिका (ख) यूरोपीय समुदाय (ग) रूस (घ) चीन (च) जापान (छ) द. पूर्वी एशिया।

**भारत का भौगोलिक स्वरूप-1** भारत का प्राकृतिक स्वरूप—उच्चावाच, जल प्रवाह, जलवायु वनस्पति एवं मिट्टी का अन्तर्राष्ट्रीय, एल निनो एवं एल नीना प्रभाव, सूखा एवं बाढ़ प्रवण क्षेत्र, संसाधन आधार—खनिज एवं ऊर्जा संसाधन आधार—खनिज एवं ऊर्जा संसाधन, सिंचाई, जल, विद्युत, बहुउद्देशीय योजनाएं, आर्थिक स्वरूप—कृषि खाद्यान्न उत्पादन, नकदी फसले, कृषि की अद्यतन प्रवृत्ति, औद्योगिक विकास, भारत की औद्योगिक नीति, आधारभूत उद्योगों (लोहा-इस्पात) ऊर्जा उत्पादन, सीमेंट, एल्युमिनियम का उत्पादन, वितरण प्रतिरूप एवं उत्पादन प्रवृत्ति, अवस्थापना का विकास एवं समस्याएँ, जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण का प्रादेशिक स्वरूप, जनसंख्या वृद्धि परक समस्याएँ आर्थिक विकास का प्रादेशिक स्वरूप।

# विषय सूची

विश्व का भूगोल सौरमंडल	1-20
पृथ्वी	
सूर्य	
प्रमुख अक्षांश एवं देशांतर रेखाएं	
<b>स्थलमंडल</b>	<b>21-68</b>
चट्टानें	
ज्वालामुखी	
भूकंप	
नदी, प्रपात एवं झील	
अपक्षय एवं अपरदन	
नदी द्वारा निर्मित स्थलाकृति	
एवं अपवाह प्रतिरूप	
भूमिगत जल द्वारा निर्मित स्थलाकृति	
हिमनद द्वारा निर्मित स्थलाकृति	
मरुस्थल तथा पवन एवं अन्य	
क्रियाओं द्वारा निर्मित स्थलाकृति	
<b>वायुमंडल</b>	<b>69-102</b>
वायुमंडल की संरचना	
सूर्यताप एवं तापमान	
आर्द्रता, वर्षण एवं बादल	
<b>जलमंडल</b>	<b>103-121</b>
महासागर एवं उच्चावच	
तापमान एवं लवणता	
महासागरीय धाराएं	
प्रवाल भित्तियाँ	
गर्त, खाड़ी एवं द्वीप	

(vi)

ज्वार-भाटा सागरीय निक्षेप	
<b>जैवमंडल</b>	<b>122-131-</b>
पारिस्थितिक तंत्र वन, जीवोम एवं जैवविविधता पर्यावरण अवनयन	
<b>मानव भूगोल</b>	<b>132-145</b>
प्रजातियाँ एवं जनजातियाँ जनसंख्या एवं नगरीकरण अधिवास	
<b>आर्थिक भूगोल 146-209</b>	
संसाधन एवं उनकी वर्गीकरण मृदा संसाधन ऊर्जा संसाधन खनिज संसाधन उद्योग कृषि व्यापार एवं क्षेत्रीय संगठन परिवहन विषय क्षेत्र संकल्पनाएं एवं सिद्धांत महत्वपूर्ण कथन	
<b>पुस्तकें</b>	<b>210-213</b>
<b>भारत का भूगोल</b>	<b>214-286</b>
सामान्य परिचय अंतरराष्ट्रीय सीमाएं भारत का भौतिक स्वरूप पर्वतश्रेणी, पहाड़ी एवं घाटियां चोटी एवं दरें हिंद महासागर एवं उनमें स्थित द्वीप	

(viii)

प्रजाति एवं जनजातियाँ	
नदी एवं उनके किनारे स्थित नगर	
झील एवं प्रपात	
जलवायु	
प्राकृतिक आपदाएं	
मिट्टियाँ	
प्राकृतिक वनस्पति	
वन्यजीव अभयारण्य	
जैवविविधता एवं पर्यावरण प्रदूषण	
सिंचाई एवं बहुदेशीय परियोजनाएं	
कृषि एवं फसलें	
खनिज संसाधन	
ऊर्जा	
उद्योग, व्यापार एवं योजनाएं	
परिवहन	
पत्तन	
जनसंख्या एवं नगरीकरण	
मानचित्र रेखाएं	
विविध	287-288
पी.जी.टी 2021	289-305